हर मेडिकल कालेज में आपदा चिकित्सा कक्ष

जागरण संवाददाता, पटना : बड़ी दुर्घटना या आपदा की स्थिति में मरीजों को पीएमसीएच ना भेजना पड़े। नजदीकी मेडिकल कालेज ही उससे आसानी से निपट लें, इसलिए प्रधान सचिव स्वास्थ्य ने एक प्रारूप तैयार किया है। इसे सभी मेडिकल कालेजों को भेज दिया गया है। इसके तहत हर मेडिकल कालेज को इमरजेंसी के 10 बेड आपदा स्थिति के लिए चिह्नित करने हैं। गोल्डेन आवर में दवा आदि लाने में समय बर्बाद ना हो इसलिए इमरजेंसी किट तैयार रखनी हैं।

प्रधान सचिव दीपक कुमार ने शनिवार को प्रोफार्मा भेजने के साथ सभी कालेजों को निर्देश दिया कि 24 घंटे सभी इमरजेंसी में असिस्टेंट या एसोसिएट, सीनियर रेजीडेंट व जूनियर डाक्टरों को तैनात किया जाए। मेडिकल कालेज में मरीज को त्रिस्तरीय गुणवत्ता इलाज का लाभ मिलना चाहिए। अभी तक इमरजेंसी में रात्रि में सीनियर रेजीडेंट और जूनियर डाक्टर ही उपलब्ध रहते हैं। इसके अलावा उन्होंने इमरजेंसी में नियंत्रण कक्ष स्थापित स्थापित करने को कहा।

पीएमसीएच में तैयारियां शुरू

पटना : प्रधान सचिव के निर्देश मिलते ही पीएमसीएच प्रशासन ने इमरजेंसी में आपदा की स्थिति के लिए 10 बेड सुनिश्चित कर दिए हैं। फार्मासिस्ट को इमरजेंसी में ज्यादा इस्तेमाल होने वाली दवाओं व सामान की 25 किट बनाने का निर्देश दिया है। प्रधान सचिव के बाद सभी विभागाध्यक्षों ने इमरजेंसी में असिस्टेंट व एसोसिएट प्रोफेसर की नियुक्त को स्वीकार कर लिया है। रोस्टर बन चुका है, इसे तीन दिन में सुचारू रूप से लागू कर लिया जाएगा। दो-दो कंट्रोल रूप चल रहे हैं पर फोन की सुविधा ना होने से फिलहाल अधीक्षक का सरकारी मोबाइल वहां रखा जाएगा।